विहित जानकारी क्यों महत्वपूर्ण है?

दिवालियापन एक गंभीर मामला है और मन बदलने पर इसे रद्द नहीं किया जा सकता है। अत: यह महत्वपूर्ण है कि दिवालियापन से पहले आप अनियंत्रित ऋण से निपटने के सारे विकल्पों से भली-भाँति परिचित हैं और यदि आप इस ओर अगला कदम उठाने जा रहे हों तो दिवालियापन की बाध्यताओं एवं परिणामों से भी अवगत हैं।

दिवालिया होने से पहले आपको एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करते हुए यह स्वीकार करने के लिए कहा जाएगा कि आप अनियंत्रित ऋण से निपटने के अपने विकल्पों तथा दिवालियापन से संबंधित परिणामों से अवगत हैं- इसे **विहित जानकारी** कहा जाता है।

ऋणी याचिका फॉर्म के साथ **विहित जानकारी** शामिल होती है। अपनी ऋणी याचिका एवं कामकाज के विवरण के साथ आपको अपनी हस्ताक्षरित **विहित जानकारी** भी प्रस्तुत करनी चाहिए| दिवालिया होने के लिए आपको समुचित रूप से भरी गई एवं हस्ताक्षरित ऋणी याचिका एवं कामकाज का विवरण जमा कराना होगा।